2015

HINDI

[Honours]

PAPER – VIII

Full Marks : 90

Time : 4 hours

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

खण्ड — क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 15 × 2

(क) बीसवीं सदी के भारत का जितना व्यापक चित्र 'गोदान' में है, किसी अन्य कलाकृति में नहीं । इस कथन के आधार पर 'गोदान' उपन्यास की समीक्षा कीजिए ।

(*ख*) '''पल्ली समाज' में ग्रामीण जीवन'' पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिए ।

(*ग*) '''पथ के दावेदार' उपन्यास में वेहतर समाज के निर्माण की संकल्पना है'' — सिद्ध कीजिए ।

(*घ*) दलित समस्याओं को केन्द्र में रख कर 'कर्मभूमि' उपन्यास की समीक्षा कीजिए ।

(*ङ*) प्रेमचन्द ने 'गबन' में मध्यवर्गीय जीवन की बुरी दशा का चित्र खींचा, इस वर्ग की अनैतिकता और स्वार्थपरता की ओर संकेत किया ।' - इस कथन के आधार पर 'गबन' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए ।

(*च*) 'श्रीकान्त' उपन्यास के आधार पर श्रीकान्त के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए ।

खण्ड — ख

2. किन्हीं *पाँच* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8 × 5

(*क*) '''गोदान' में सिलिया के माध्यम से दलित उत्पीड़न की कथा व्यक्त हुइ है'' । विवेचन कीजिए ।

(*ख*) 'कर्मभूमि' उपन्यास के 'सलीम' के चरित्र की क्या विशेषताएँ हैं ? लिखिए ।

(*ग*) 'श्रीकान्त' उपन्यास की राजेश्वरी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(*घ*) 'गबन' उपन्यास में वर्णित समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

(*ङ*) 'पथ के दावेदार' उपन्यास के आधार पर बर्मा के जनजीवन पर प्रकाश डालिए ।

(*च*) 'कर्मभूमि' उपन्यास की समसामयिकता पर प्रकाश डालिए ।

(*छ*) 'पल्लीसमाज' के रमेश का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(*ज*) प्रेमचन्द की भाषा पर प्रकाश डालिए ।

(*झ*) प्रेमचन्द और शरतचंद्र की 'रचना दृष्टि' की तुलना कीजिए ।

(*ञ*) शरतचन्द्र की नारी दृष्टि पर प्रकाश डालिए ।

खण्ड — ग

3. किन्हीं *पाँच* पर टिप्पणी लिखिए : 4×5

(*क*) धनिया की जीवटता

(*ख*) जालपा के अन्तर्विरोध

(ग) प्रो॰ शांतिकुमार की बैद्धिकता

(घ) इन्द्रनाथ का चरित्र

(ङ) वेणी बाबु का चरित्र

(च) 'पथ के दावेदार' की भारती

(छ) शरतचन्द्र की भाषा

(ज) 'पथ के दावेदार' की सुमित्रा देवी

(झ) 'गोदान' के प्रोफेसर मेहता

(ञ) 'कर्मभूमि' के शीर्षक की सार्थकता ।